पृष्ठ संख्या 2

RNI NO.- RAJHIN/2021/80841

संस्कार सृजन

हिन्दी पाक्षिक

सम्पादक: राम गोपाल सैनी
मो.: 9214996258

वर्ष: 01 | अंक: 19 | पृष्ठ : 4 | जयपुर, शनिवार 7 जनवरी, 2023 | मूल्य: 05 रू. | वार्षिक मूल्य : 150 रू.

चौमूं माली समाज में महात्मा ज्योतिबा फुले और सावित्री बाई फुले की मूर्ति का हुआ अनावरण

- पूर्व कृषि मंत्री प्रभु लाला सैनी ने कहा बिना शिक्षा देश और समाज की प्रगति संभव नहीं !
- देश की प्रथम महिला शिक्षिका सावित्री बाई फुले ने जगाई थी शिक्षा की अलख !

चौमूं / जयपुर (संस्कार सृजन)। देश की प्रथम महिला शिक्षिका सावित्री बाई फुले की जयंती पर शहर के रींगस रोड स्थित सैनी समाज सभा भवन में महात्मा ज्योतिबा फुले और माता सावित्री बाई फुले की मूर्ति का अनावरण समारोह का आयोजन किया गया। फुले दंपत्ति की मूर्ति के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया और बालिकाओं ने आरती उतारी।

पूर्व कृषि मंत्री प्रभुलाल सैनी, जैतारण विधायक अविनाश गहलोत, पूर्व विधायक खेतड़ी पूरणमल सैनी और पूर्व विधायक भगवान सहाय सैनी ने महात्मा ज्योतिबा फुले और सावित्री बाई फुले की मूर्ति का अनावरण किया।

पूर्व कृषि मंत्री सैनी ने समाजबंधुओं को संबोधित करते हुए कहा कि समाज को प्रगति के पथ पर आगे बढ़ाना है तो शिक्षा का दामन थामना होगा। बिना शिक्षा के सामाजिक प्रगति संभव नहीं है। यह बात उस दौर में महात्मा ज्योतिबा फुले ने भली-भांति तौर से समझ ली थी। तभी तो तमाम विरोध और संघर्षों को झेलते हुए सावित्री बाई फुले को उन्होंने कलम की डोर से जोड़ा। महात्मा ज्योतिराव फुले और सावित्री बाई फुले के सपनों को साकार करना है तो हमें शिक्षा के बल पर ही आगे बढ़ना होगा। तभी देश और समाज की प्रगति संभव है। जैतारण विधायक अविनाश गहलोत ने कहा कि आज का दौर शिक्षा का है। हम हमारे परिवार में बच्चों की शिक्षा पर प्रमुखता से ध्यान दें। बालिका का कन्यादान करने से पहले शिक्षा का दान करें। एक शिक्षित बालिका दो परिवारों को रोशन करती है। उन्होंने समाज में व्याप्त कुरीतियों का त्याग कर आगे बढ़ने का आह्वान किया।

पूर्व विधायक खेतड़ी पूरणमल सैनी और चौमूं पूर्व विधायक भगवान सहाय सैनी ने भी समाज बंधुओं से महात्मा ज्योतिबा फुले और सावित्री बाई फुले के दिखलाए गए मार्ग पर चलकर देश और समाज की प्रगति के लिए कार्य करने की बात कही। इस मौके पर माली समाज संयुक्त मंत्री कन्हैयालाल पापटवाल ने कहा कि सावित्रीबाई फुले देश की प्रथम महिला शिक्षिका थी। जिसने शिक्षा की अलख जगाई। इस मौके पर आए हुए अतिथियों से फुले दंपति को भारत रत्न देने एवं उनकी जयंती पर अवकाश घोषित करने की मांग की गई। आए हुए अतिथियों का माला, साफा पहनाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मान किया गया। माली समाज विकास समिति अध्यक्ष दिनेश कुमार सैनी ने बताया कि इस मौके पर चौमूं नगरपालिका चैयरमेन विष्णु कुमार सैनी, सैनी विकास संस्थान के प्रदेशाध्यक्ष गुड्डू सैनी शाहपुरा, नागरिक अधिकार संस्था अध्यक्ष सुरेश सैनी एनएचआई, प्रदेश अध्यक्ष छुट्टनलाल सैनी, ऑल इंडिया सैनी सेवा समाज के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सूरजमल ठेकेदार,उपाध्यक्ष हीरालाल पांच्या, नर्सिंग ऑफिसर प्रवीण सैनी, प्रदेश माली महासभा तहसील अध्यक्ष गैंदीलाल सैनी, भवन निर्माण समिति अध्यक्ष सायर मल सैनी, महामंत्री घीसालाल तंवर, राधेश्याम तंवर,रघुवरदयाल माली एलआईसी, पूर्व चेयरमैन नानूराम सैनी, डॉ.मान प्रकाश सैनी, पूर्व चेयरमैन गोविंदनारायण सैनी, रामेश्वर सिंगोदिया,मदनलाल मालेरिया,संतोष चांदोलिया,कोषाध्यक्ष प्रभाती लाल सोनगरिया,सुरेश तंवर सहित समाज के गणमान्य लोग मौजूद रहे। मंच संचालन एंकर दीपा सैनी ने किया।

धातु मिश्रित, धातु निर्मित एवं चाइनीज मांझे के क्रय-विक्रय एवं उपयोग पर प्रतिबंध

जयपुर (संस्कार सृजन)। मकर सक्रांति पर धातु निर्मित, धातु मिश्रित एवं चाइनीज मांझे के प्रयोग की संभावना को लेकर जिला प्रशासन गंभीर है। जयपुर जिला कलक्टर प्रकाश राजपुरोहित ने एक आदेश जारी कर 5 जनवरी, 2023 मध्यरात्रि से 16 जनवरी, 2023 मध्यरात्रि तक धातु निर्मित मांझे के क्रय-विक्रय एवं उपयोग पर प्रतिबंध लगाया है।

प्रतिबंधित मांझा विभिन्न धातुओं के मिश्रण से निर्मित होने के कारण धारदार तथा विद्युत का सुचालक होता है, जिसके उपयोग से दोपहिया वाहन चालकों तथा पक्षियों को जान का खतरा रहता है। विद्युत का सुचालक होने के कारण मांझा विद्युत तारों के संपर्क में आने पर पतंग उड़ाने वाले को नुकसान पहुंचने एवं विद्युत सप्लाई बाधित होने की संभावना बनी रहती है। संभावित खतरों को मद्देनजर रखते हुए कलक्टर ने धातु निर्मित, धातु मिश्रित एवं चाइनीज मांझे के उपयोग, नियंत्रण एवं विक्रय पर प्रतिबंध लगाने के आदेश जारी किये हैं।

आदेशों की अवमानना अथवा अवहेलना करने पर भारतीय दंड संहिता की धारा-188 के अन्तर्गत दण्डनीय अपराध माना जाएगा, साथ ही, अवहेलना करने वाले व्यक्तियों के विरूद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

यूको बैंक ने मनाया 80 वां स्थापना दिवस,पारीक कॉलेज में किया वाटर कूलर भेंट,चिकित्सा शिविर का भी किया आयोजन

चौमूं (संस्कार सृजन)। यूको बैंक के 80 वें स्थापना दिवस पर यूको बैंक चौमूं शाखा द्वारा एस. एस. जी. पारीक कन्या महाविद्यालय,चौमूं में छात्राओं के लिए शीतल जल हेतु वाटर कूलर प्रदान किया गया। इसके साथ ही यूको बैंक द्वारा नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पवन पुरोहित (मुख्य प्रबंधक, अंचल कार्यालय ,जयपुर) ने महाविद्यालय की छात्राओं की प्रतिभा की प्रशंसा करते हुए बैंक से संबंधित नवाचारों के बारे में बताया। शाखा प्रबंधक बलराम यादव ने उपस्थित सभी महाविद्यालय स्टाफ, छात्राओं व ग्राहकों को स्थापना दिवस की शुभकामनाएं प्रेषित की तथा विभिन्न बैंकिंग सेवाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी। सुमित्रा पारीक प्राचार्य (एस.एस.जी. पारीक कन्या महाविद्यालय, चौमूं) ने उत्कृष्ट सामाजिक और बैंकिंग सेवाओं के लिए समस्त बैंक स्टाफ का धन्यवाद ज्ञापित किया।

चिकित्सा शिविर में डॉ. अनीता शर्मा (स्त्री रोग विशेषज्ञ),डॉ. कुणाल शर्मा (ईएनटी विशेषज्ञ) ने सेवाएं दी। इस अवसर पर सुमन सिंह प्रबंधक यूको बैंक, पुलकित शर्मा सहायक प्रबंधक , कृष्णा जांगिड़, जितेन्द्र वशिष्ट, भावना पारीक, राजवीर शेखावत सहित सभी महाविद्यालय स्टाफ और छात्राएं उपस्थित रहे।

मालेरा ग्राम में पीपली वाले बालाजी महाराज के हुआ भंडारे का आयोजन

जयपुर (संस्कार सृजन)। चौमूं चंदवाजी स्टेट हाईवे स्थित मालेरा ग्राम में पिपली वाले बालाजी महाराज के आज हाटवाल परिवार द्वारा भंडारे का आयोजन किया गया । सर्व सिद्धेश्वर मालेरा धाम के महंत रामफूलदास महाराज ने बताया कि हाटवाल परिवार द्वारा लगातार 20 सालों से बालाजी महाराज के सवामणी का आयोजन किया जा रहा है ,जिसमें आसपास के सभी श्रद्धालु प्रसादी ग्रहण करते हैं । सभी अतिथियों का माला और साफा पहनाकर स्वागत किया। आयोजक भाजपा प्रदेश मंत्री

एसटी मोर्चा राजस्थान और मीन सेना प्रदेश महामंत्री प्रकाश हाटवाल ने बताया कि कार्यक्रम में जिला प्रमुख रमा चौपड़ा, चौमूं विधायक रामलाल शर्मा, पूर्व विधायक भगवान सहाय सैनी, भाजपा एसटी मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष जितेन्द्र मीणा, भाजपा युवा नेता शंकार गौरा, डॉ. हनुमान बराला, पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष अनुराग शर्मा, डॉ. शिखा मील बराला, चौमूं मीणा समाज अध्यक्ष रामचंद्र मीणा, डोला का बास सरपंच बाबूलाल मीणा, आदिवासी सेवा संघ राजस्थान संगठन मंत्री सुरेश मीणा, मदन मीणा, मुकेश हाटवाल, कजोड़ हाटवाल, गोपाल हाटवाल, कल्याण सहाय शर्मा, उदयपुरवाटी मीणा समाज तहसील अध्यक्ष रामसिंह मीणा,रामस्वरूप मीणा, राजेंद्र मीणा, मेघराज चौधरी, धर्मेन्द्र मीणा आदि लोगों ने बालाजी महाराज के दर्शन कर आशीर्वाद लिया ।

नरेंद्र सैनी बने नर्सेज एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष

अलवर (संस्कार सृजन)। राजस्थान राज्य नर्सेज एसोसिएशन (एकीकृत) के प्रदेश अध्यक्ष राजेंद्र राणा ने कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए अलवर जिले के जिला अध्यक्ष पद पर नर्सिंग ऑफिसर नरेंद्र सैनी (प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बसई जोगियान थानागाजी) निवासी लीलामंढा को नियुक्त किया है तथा आगामी 1 महीने में अपनी कार्यकारिणी घोषित करने के निर्देश दिए हैं । नरेंद्र सैनी काफी लंबे समय से नर्सेज के हितों के लिए कार्य कर रहे थे । नरेंद्र सैनी की जिला अध्यक्ष पद के ऊपर नियुक्ति के लिए एम्स नर्सिंग एसोसिएशन के ज्वाइंट सेक्रेट्री शीशपाल सैनी व अलवर जिला स्टूडेंट नर्सेज एसोसिएशन के पूर्व जिला अध्यक्ष अनिल शर्मा ने प्रदेश अध्यक्ष राजेंद्र राणा का आभार व्यक्त करते हुए नरेंद्र सैनी को शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए उनका स्वागत किया ।

समाजसेवी पूर्व फूड इंस्पेक्टर सीताराम काछवाल की पांचवी पुण्यतिथि पर की गौ सेवा

जयपुर (संस्कार सृजन)। चौमूं शहर में S.S.चैरिटेबल शिक्षा एवं सेवार्थ संस्थान के तत्वधान मंय समाजसेवी पूर्व फूड इंस्पेक्टर सीताराम काछवाल की पांचवी पुण्यतिथि पर गौ शाला में चारा व गुड खिलाने का कार्यक्रम रखा गया । गौरतलब है कि पिछले पांच वर्षों से रक्तदान, गौ सेवा व मेडिकल सेवा अन्य

सभी प्रकार के कार्य संस्था द्वारा किए जा रहे हैं और पुण्यतिथि पर अनेक जरूरतमंदों की सहायता भी की जाती है । इस अवसर संस्था संरक्षक शुभम शर्मा व संस्था अध्यक्ष विनोद सिंह नाथावत ने अपने अपने विचार रखें । इस दौरान कार्यक्रम में किशोर जमालपुरिया, नवीन दुबे, विनोद शर्मा सिद्धि विनायक मोबाइल, राकेश, सूरज अनेक व्यक्ति मौजूद रहे ।

संस्कार सृजन

समाचार पत्र की और से मकर संक्रांति की हार्दिक शुभकामनाएँ !!

संपादकीय

व्यावसायिकता में डूबा बालीवुड

बीते दिनों 'पठान' फिल्म का एक गाना विवादों में आ गया। कारण दीपिका पादुकोण पर फिल्माए गाने में केसरिया रंग की उसकी बिकिनी थी, परंतु क्या वाकई यह गंभीर मुद्दा था? इस विवाद के विरोध में इससे पूर्व अनेक फिल्मों में पहने गए केसरिया रंग के वस्त्र और उससे जुड़े नृत्यों की बाढ़ सी लगा दी गई और वह मुद्दा जिस पर विचार-विमर्श होना चाहिए था, वह दब गया। मुद्दा तो 'बेशर्म रंग' गाने में दीपिका की आपत्तिजनक भाव-भंगिमा होना चाहिए था। यकीनन इस संदर्भ में यह तर्क दिया जाएगा कि जिस किसी को यह अश्लील लगे, वह इसे नहीं देखें या फिर यह कहा जाएगा कि जब सेंसर बोर्ड ने प्रमाण पत्र दे दिया तो फिर इस पर किसी को भी टीका-टिप्पणी करने का अधिकार नहीं। 'नहीं देखें' यह तथ्य सिरे से इसलिए खारिज किया जाता सकता है, क्योंकि यूट्यूब चैनल से लेकर सोशल नेटवर्क साइट्स पर इस तरह के गाने और फिल्म कोई भी देख सकता है। विशेषकर वे बच्चे जिनके व्यक्तित्व निर्माण की प्रक्रिया आरंभ ही हुई है।पिछले कुछ दशकों में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर फिल्मों में जिस तरह अश्लीलता और हिंसा को परोसा गया है, उससे युवा मन मस्तिष्क किस गंभीर रूप से प्रभावित हुए हैं, इस पर विचार करने का समय शायद किसी के पास भी नहीं है। फिल्म को मनोरंजन का साधन मानकर उसके सामाजिक सरोकारों से पल्ला हमेशा से ही झाड़ लिया जाता है, परंतु फिल्में मनोरंजन की सीमा से कहीं बहुत अधिक अपने प्रभाव क्षेत्र का दायरा फैलाए हुए हैं।तमाम कुतर्कों के बीच 1963 की उस रिपोर्ट की चर्चा करना जरूरी है, जो भारतीय सिनेमा और संस्कृति को देखते हुए 'संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन' यानी यूनेस्को द्वारा जारी की गई थी। रिपोर्ट में पंडित नेहरू के भाषण का हवाला दिया गया था, जिसमें कहा गया था 'भारत में फिल्मों का प्रभाव समाचार पत्रों और किताबों से अधिक है।' फिल्में समाज के नैतिक विकास को प्रभावित करती हैं। अमेरिका की 'सेक्सुअल वायलेंस इन द मीडिया' की रिपोर्ट बताती है कि कैसे यौन शोषण के चलचित्र जीवन पर असर डालते हैं। ब्राउन जे डी एवं उनके सहयोगियों का शोध बताता है कि फिल्म-टीवी पर प्रदर्शित अश्लीलता युवाओं को कम उम्र में यौन संबंध स्थापित करने के लिए उकसाती है। 'अमेरिकन एकेडमी आफ पीडियाट्रिक्स' में प्रकाशित शोध के अनुसार फिल्म में अश्लीलता किशोरावय में गर्भावस्था का कारण बनती है।अगर इन अध्ययनों को भारत से संदर्भित न करने का तर्क दिए जाने की चेष्टा की जाती है तो 'धर्मेंद्र धीरजलाल सोनेजी बनाम गुजरात राज्य' के निर्णय को अवश्य पढ़ लेना चाहिए। नाबालिग से दुष्कर्म के एक मामले में न्यायाधीशों ने कहा था 'समाज में चारों ओर यौन अपराधों और क्राइम को दर्शाने वाली अनियंत्रित अश्लील फिल्में युवा पीढ़ी को अपनी चपेट में ले रही हैं और अपराध के लिए प्रवृत्त कर रही हैं। सरकार मानो उससे बेपरवाह होकर इसके बारे में कुछ नहीं कर रही। क्या वास्तव में सरकार का कोई कर्तव्य नहीं? उसकी अपने नागरिकों के प्रति जवाबदेही है कि वह सबसे अधिक संक्रामक बीमारी (अश्लीलता) फैलाने वाले कारणों को नियंत्रित करे।' सेंसर बोर्ड के प्रमाण पत्र को अपना सुरक्षा कवच बनाने वालों पर कटाक्ष करते हुए न्यायालय ने यह भी कहा था, 'सेंसर बोर्ड को कौन सेंसर करेगा?' न्यायालय ने इस मामले में सरकार को नसीहत दी थी कि सरकार को फिल्म निर्माताओं की शक्तिशाली लाबी को चुनौती देने का साहस उत्पन्न करना होगा।

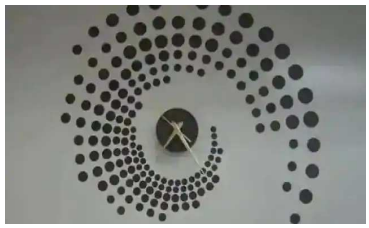

बोर्ड परीक्षा हो या सिविल सर्विसेस की तैयारी, ध्यान रखें 5 बातें

सिविल सर्विसेज की परीक्षाएं हो या बोर्ड परीक्षा, अभ्यर्थियों का सपना होता है कि उनका नाम भी टॉपर्स लिस्ट में आए। इसके लिए वे कठिन परिश्रम से लेकर लोग हर तरह की मुसीबतों को सामना करने के लिए तैयार रहते हैं। लेकिन जल्दी सफलता उन्हीं के हाथ लगती है जो खुद ही सफल होने के तरीके इजाद करते हैं।

यूपीएससी के कई टॉपर्स ने भी साक्षात्कार में इस बात को स्वीकारा है कि सफलता उसकी को मिलती है जो अपना रास्ता खुद तय करता है। वैसे तो सफलता का कोई भी शॉर्टकट नहीं है लेकिन अगर आप एक रणनीति के साथ आगे बढ़ते हैं तो आपके लिए कामयाबी मिलना कुछ आसान हो जाता है। यहां हम प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में लगे नौजवानों के लिए 5 ऐसी जरूरी बातें बता रहे हैं जो आपको लक्ष्य तक पहुंचने में मदद करेंगी।

तैयारी की रणनीति बनाने में ध्यान रखें ये 5 बातें-

1- एक बार में 50 मिनट या उससे कम पढ़ाई करें। इसके बाद 10 मिनट का ब्रेक लें। एक शोध के अनुसार लगातार 30 से 50 मिनट तक ही पढ़ना चाहिए।

2- 80/20 फॉर्मूला- आपको विषय के उस 20 प्रतिशत हिस्से को ज्यादा महत्व देना चाहिए जो कि 80 प्रतिशत महत्व रखता है। जबकि 80 फीसदी हिस्सा जो जो कि सर्फि 20 प्रतिशत महत्व रखता है उसे कम महत्व देना चाहिए।

3- मल्टी टास्किंग न करें। यानी एक साथ कई काम न करें। एक ही समय में एक ही काम करें। जिस काम को लें सिर्फ उसी पर ध्यान दें।

4- विषय में दक्षता हासिल करनी है तो उसके विशेषज्ञ से ही सीखें या सलाह लें। यूट्यूब, फेसबुक और स्काईप के साथ ही विषय विशेषज्ञ से भी मिलें।

5- हाथ से लिखकर बनाएं नोट- कम्प्यूटर या मोबाइल किसी टॉपिक पर नोट बनाने की बजाए पेन से कॉपी पर नोट करें। क्योंकि जब आप कुछ नोट करने के लिए मोबाइल खोलेंगे तो संभव है कि आप फेसबुक खोल लें और उस पर अपना समय नष्ट कर दें।

अमूल्य ज्ञान का बोध

✳ सोलह संस्कार

1.गर्भाधान संस्कार 2. पुंसवन संस्कार 3. सीमन्तोन्नयन संस्कार 4. जातकर्म संस्कार 5. नामकरण संस्कार 6.निष्क्रमण संस्कार 7. अन्नप्राशन संस्कार 8. मुंडन संस्कार 9. कर्णवेधन संस्कार 10. यज्ञोपवीत संस्कार 11. वेदारंभ संस्कार 12. केशांत संस्कार 13. समावर्तन संस्कार 14. विवाह संस्कार 15. सन्यास संस्कार 16. अन्त्येष्टि संस्कार

✳ अष्ट सिद्धि

1.अणिमा 2. महिमा 3. गरिमा 4. लघिमा . 5.प्राप्ति 6. प्राकाम्य 7. ईशित्व 8. वशित्व

✳ नव निधियां

1.पद्म निधि 2. महापद्म निधि 3. नील 4. मुकुंद निधि 5. नंद निधि 6.मकर निधि 7. कच्छप निधि 8. शंख निधि 9. खर्व निधि

✳ 27 नक्षत्र

1.आश्विन, 2.भरणी, 3.कृतिका, 4.रोहिणी, 5.मृगशिरा, 6.आर्द्रा 7.पुनर्वसु, 8.पुष्य, 9.आश्लेषा, 10.मघा, 11.पूर्वा फाल्गुनी, 12.उत्तरा फाल्गुनी, 13.हस्त, 14.चित्रा, 15.स्वाति, 16.विशाखा, 17.अनुराधा, 18.ज्येष्ठा, 19.मूल, 20.पूर्वाषाढ़ा, 21.उत्तराषाढ़ा, 22.श्रवण, 23.धनिष्ठा, 24.शतभिषा, 25.पूर्वा भाद्रपद, 26.उत्तरा भाद्रपद और 27.रेवती

✳ 12 राशियाँ

1. मेष 2. वृषभ 3. मिथुन 4. कर्क 5. सिंह 6. कन्या 7. तुला 8. वृश्चिक 9. धनु 10. मकर 11. कुम्भ 12.मीन

✳ नवग्रह

1.सूर्य 2.चंद्र 3.मंगल 4.बुध 5.बृहस्पति 6.शुक्र 7.शनि 8.राहू 9.केतु

✳ चार वेद

1.ऋग्वेद 2.यजुर्वेद 3.सामवेद 4.अथर्ववेद

✳ सप्त ऋषि

1.वशिष्ठ 2.विश्वामित्र 3.कण्व 4.भारद्वाज 5.अत्रि 6.वामदेव 7.शौनक

✳ 18 पुराण

1.ब्रह्म पुराण 2.पद्म पुराण 3.विष्णु पुराण 4. वायु पुराण (शिव पुराण)5.भागवत पुराण 6.नारद पुराण 7. मार्कण्डेय पुराण 8.अग्नि पुराण 9.भविष्य पुराण 10.ब्रह्मवैवर्त पुराण 11.लिंग पुराण 12.वाराह पुराण 13.स्कन्द पुराण 14.वामन पुराण 15.कूर्म पुराण 16.मत्स्य पुराण 17.गरुड पुराण 18.ब्रह्माण्ड पुराण

(पुस्तक समीक्षा)

ट्रांसजेंडर व्यंग्य,बोध और संवेदनापरक लघुकथाएँ - डॉ.योगिता जोशी

डॉ. योगिता जोशी
अनुप्रिया,जयपुर

कृतिः ट्रांसजेन्डर (लघुकथा संग्रह)
लेखकः गिरीश पंकज
प्रकाशक : डायमंड बुक्स, नई दिल्ली
मूल्यः 150 रुपये
पृष्ठ संख्याः एक सौ बीस

ट्रांसजेंडर ख्यातिलब्ध साहित्यकार गिरीश पंकज का लघुकथा संग्रह है । गिरीश जी गांधीवादी प्रकृति के लेखक हैं ।

इन्होंने सौ से अधिक पुस्तकें लिखी हैं। साहित्य की कोई ऐसी विधा नहीं है जो इन से अछूती रही हो,परंतु व्यंग्य इनकी प्रिय विधा है। आप लगभग चालीस वर्षों से साहित्य साधना में रत है। ट्रांसजेंडर इनके द्वारा लिखित एक महत्वपूर्ण लघुकथा संग्रह है, जिसे मैंने आज ही पूरा किया है । संग्रह में कुल एक सौ दस लघुकथाएं हैं । सब-की-सब संदेशपरक।

संग्रह में मनोद्गार में व्यक्त गिरीश जी के विचारों से बहुत प्रभावित हुई। इन्होंने बहुत ही सीमित शब्दों में लघुकथा एवं इसके महत्व को समझा दिया । उन्होंने बताया कि आकार में छोटी जरूर होती है लघुकथाएं ,लेकिन इनके कथ्य में विराटता छुपी रहती है । गागर में सागर की तरह होती है लघुकथाएं ।

इस संग्रह की सारी लघुकथाएं अपनी रचना अनुसार आकार में लघु ज़रूर हैं परंतु वे अपने सीमित शब्दों में भी जीवन-दर्शन देती हैं । कहीं गहरा कटाक्ष है तो कहीं संवेदनात्मक बोध भी है। खलील जिब्रान, विष्णु प्रभाकर और मंटो जैसे कुछ लघुकथाकारों की रचनाएं भी इसी परंपरा का निर्वाह करती रही हैं। समय की मांग को देखते हुए पंकज जी ने बहुत ही सीमित एवं सरल शब्दों में बहुत गूढ़ सीख देने वाली लघुकथाएं लिखी हैं ,जो कहीं समाज को शर्मसार कर रही है, तो कहीं असहायों को सहारा देने का संदेश भी देती हैं । आज लोगों के सामने विस्तार के साथ किसी कृति को पढ़ने का समय कम है। यही कारण है कि लघुकथाओं के प्रति लोगों की रुचि अधिक रहती है। लघुकथा में रोचकता उसका प्रमुख गुण होता है। अनेक लघुकथाएँ बोध जाग्रत करती हैं तो मंटो की तरह व्यंग्य की गहरी मार भी करती हैं। उसी शैली में गिरीश जी की भी कुछ लघुकथाएँ व्यंग्य के रूप में समाज एवं सरकारी तंत्र पर कटाक्ष करती नजर आ रही हैं ।

जो लघुकथा मेरे मन को सबसे यादा छू गई, वह है इस संग्रह की चौथी लघुकथा बलिदानी पुल । यह मुश्किल से छः पंक्तियों में लिखी हुई है जिसमें भ्रष्टाचार एवं सरकारी तंत्र पर तीखा व्यंग्य प्रहार किया हुआ है । निर्माण में भयंकर बईमानी हुई थी पुल को डर था कि कल लोग उसके ऊपर से आना-जाना करेंगे लेकिन वह कभी भी धसक सकता है, तब अनेक लोग मरेंगे । लोगों की जान बचाने के लिए पुल ने आत्म बलिदान की ठानी..और उद्घाटन के एक दिन पहले नदी में समा गया ।

इसी तरह संग्रह की उन्तीसवीं लघुकथा प्रिय डिश मनुष्य के दोगलेपन को दर्शाती है ।

हम मनुष्य हैं,विवेकवान हैं ,तो जीव हत्या बिल्कुल ही न करें । यह महापाप है । उसकी फेसबुक पोस्ट पर अनेक लाइक मिले तभी उसकी पत्नी ने आवाज लगाई की डालिंग चिकन तैयार है ,आ जाओ । यह सुनते ही वह खुशी से बोल उठा, वाह चिकन ? मेरी प्रिय डिश।

इसी तरह संग्रह की सारी लघकथाएँ बहुत गहरी सीख देने वाली है । मुझे नहीं लगता कि इन एक सौ दस लघुकथाओं में हमारे समाज में व्याप्त कोई भी समस्या या बुराई को उजागर नहीं किया गया अथवा उन पर सवालिया निशान नहीं लगाया गया हो । हर लघुकथा संदेशप्रद हैं और हर आयु वर्ग के पढ़ने लायक है। इन्हें पढ़ने से हमारे जीवन को नई दिशा मिलती है, नई सोच विकसित होती है।

आज के इस विसंगतियों से भरे दौर में गिरीश पंकज की लघुकथाएं पाठकों को विवेकशील, संवेदनशील एवं जागरुक नागरिक होने की समझ विकसित करती हैं । कोई भी रचना व्यक्तित्व निर्माण की पीठिका होनी चाहिए। हर श्रेष्ठ लघुकथा का लक्ष्य भी यही होता है। व्यंग्य,बोध और संवेदनापरक ये छोटी-छोटी अविस्मरणीय लघुकथाएँ अति संक्षेप में अपने विषय का पूरा मर्म कह देती हैं।

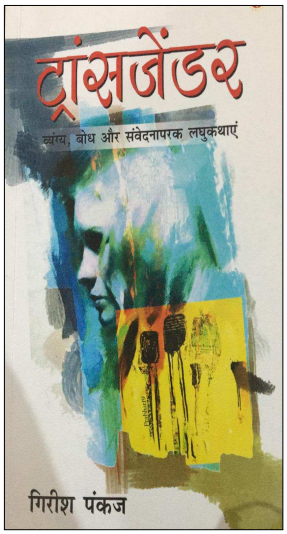

खुद के साथ-साथ दूसरों के लिए भी ऐसे लोग खड़ी करते हैं मुश्किलें, आप भी जान लीजिए

आचार्य चाणक्य की तरह ही महाभारत काल के प्रमुख पात्रों में से एक महात्मा विदुर को महान बुद्धिजीवी माना जाता है। कहते हैं कि महाभारत युद्ध के समय विदुर जी ने धृतराष्ट्र को ऐसी बातें बताई थीं जो उनके लिए उपयोगी साबित हुईं। महात्मा विदुर की उन नीतियों का आज भी काफी महत्व है। विदुर जी की इन नीतियों को अपनाने से व्यक्ति को हर क्षेत्र में सफलता हासिल होने की संभावना बढ़ जाती है। विदुर जी ने अपनी नीतियों में ऐसे व्यक्ति का भी वर्णन किया है जो खुद के साथ दूसरों के लिए भी मुसीबत बनता है।

विदुर जी कहते हैं कि अगर व्यक्ति के अंदर कुछ आदतें होती हैं तो वो व्यक्ति न तो अपने जीवन में कभी सफल हो पाता है और न ही धन का संचय कर पाता है। विदुर नीति के अनुसार, किसी भी आलसी व्यक्ति पर मां लक्ष्मी अपनी कृपा नहीं बरसाती हैं। ऐसे लोगों का जीवन दुखों से भरा होता है। आलस्य के कारण ऐसे लोगों का भाग्य भी साथ नहीं देता है। विदुर जी कहते हैं कि जिन लोगों को जीवन में सफलता प्राप्त करनी हो या फिर कुछ हासिल करना हो, ऐसे व्यक्तियों को आलस्य से दूर रहना चाहिए। विदुर महाराज कहते हैं कि आलस्य व्यक्ति को गरीबी के रास्ते पर लेकर जाता है। विदुर जी आगे कहते हैं कि जो व्यक्ति मेहनत या परिश्रम से जी चुराता है, वह कभी भी सफलता या धन हासिल नहीं कर पाता है। विदुर नीति के अनुसार, सफलता केवल उन लोगों को मिलती है जो कठिन समय में भी परिश्रम से जी नहीं चुराते हैं। ऐसे में जो व्यक्ति सफलता हासिल करना चाहते हैं, उन्हें परिश्रम करना आरंभ करना होगा। विदुर जी कहते हैं कि मां लक्ष्मी उन पर कृपा नहीं बरसाती हैं जो भगवान पर भरोसा नहीं करते हैं। कहा जाता है कि ऐसे लोग जीवन में सफलता भी हासिल नहीं कर पाते हैं। विदुर जी के अनुसार, ऐसे लोग दूसरों के मन को भी बदलते रहते हैं। जिससे उनका जीवन बर्बाद हो जाता है। इसलिए इस तरह के लोगों से जितना हो सके बचकर रहना चाहिए।

धर्म दर्शन

पाक्षिक राशिफल

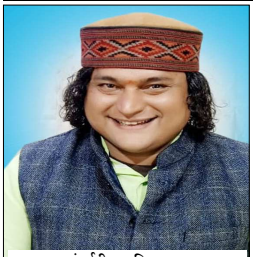

अंतर्राष्ट्रीय भविष्यवक्ता
पंडित रविन्द्राचार्य

मेष-जीवनसाथी से बातचीत करते समय बेहद सावधान रहें क्योंकि आप कभी नहीं जानते कि आप कब कुछ अनुचित कह सकते हैं। संबंधों में कुछ अस्पष्टता हो सकती है। किसी भी गलतफहमी में पड़ने से एक बार अछी तरह से चीजों को जांच लें।

वृष-आपका जीवनसाथी आपको किसी रोमांचक योजना में शामिल होने के लिए मना सकता है। जिसके लिए शुरुआत में आप थोड़ा हिचकाएंगे लेकिन बाद में वह आपको इसके लिए मना लेंगे। इस कार्यक्रम पर जाने से पहले उसके बारे में अछे से समझना बहुत जरूरी है। ताकि आप उसके अनुसार अपने जीवन की योजनाएं बना सकें।

मिथुन-अपने जीवनसाथी को खुश करने की इछा आपके मन में प्रबल होगी। आप अपने प्रयासों के जरिए उनकी खुशियों की सीमा को पार कर सकते हैं। अपने कार्यों में कुछ छोटे से बदलाव करके अपने साझेदारी को दीर्घकालिक बनाया जा सकता है। आपका जीवनसाथी आपके प्रयास की सराहना करेगा।

कर्क-आपको प्रेम से अपेक्षाएं के बारे में विचार करना होगा। आत्मनिर्भरता की प्रवृत्ति आपके जीवन के कई क्षेत्रों तक फैली है। आप अपना समय और पैसा कहां खर्च करना चाहते हैं इसे लेकर आप और आपके जीवनसाथी दोनों की अलग-अलग राय हो सकती है। जिस पर आप और आपके जीवनसाथी के बीच बहस भी हो सकती है।

सिंह-अपने प्रेम संबंधों पर अधिक ध्यान दें। आपका जीवनसाथी आप पर अधिक नियंत्रण करने का आरोप लगता है जिससे आप अंदर से बुरा महसूस कर सकते हैं। रिश्ते में मौजूद डर बाहर आ सकता है। अछा होगा कि आप इसे अभी समझ कर इसे खत्म करने का पूरा प्रयास करें।

कन्या-आप अपने करीबी लोगों को लेकर अतिसंवेदनशील जो सकते हैं। जो आपके प्रेम संबंधों में टकराव का कारण बन सकता है। यदि आपके दोस्त या रिश्तेदार की अलग पसंद आपके मन में यह विचार पैदा कर सकता है कि क्या आप सही निर्णय ले रहे हैं या नहीं। याद रखें किसी भी रिश्ते को लेकर आप पूरी तरह आजाद है।

तुला- यदि आपको जीवन में हाल ही में प्यार का प्रवेश हुआ है तो उसके उपस्थिति का जश्न मनाने के लिए बिल्कुल सही है। आप किसी रोमांटिक रिश्ते की नींव रख सकते हैं। इस समय अपने रिश्ते की स्थिरता और वर्तमान स्थिति को लेकर आप और आपका पार्टनर दोनों ही संतुष्ट महसूस कर रहे हैं।

वृश्चिक-यदि आप अपने प्रेजेंट रिलेशनशिप को लेकर थोड़ा सा भी असहज महसूस कर रहे हैं तो आपको इस समय अपनी भावनाओं का आंकलन कर यह पता लगाने का प्रयास करना चाहिए कि आप अपने रिश्ते से आखिरकार चाहते क्या है। सोच समझ कर कोई भी निर्णय लें।

धनु-पिछले कुछ दिनों में अपने संबंधों को लेकर आपके मन में जो भी प्रतिकूल विचार पैदा हुए है उसे खुद से दूर कर दें। मानव स्वभाव है कि चीजें समय के साथ बदलती रहती है। अपने साथी को थोड़ा स्पेस दें।

मकर-अपने प्रेमी के साथ समय बिताने से आपका मन खुश हो जाएगा। ऐसा तथ्य के बावजूद की आप हाल ही में मिले हैं आपको लगेगा कि आप लंबे समय से दोस्त

है एक दूसरे के साथ अधिक समय बिताएं और एक दूसरे को जानने का प्रयास करें।

कुंभ-आपकी परवरिश आपके रोमांटिक समस्याओं को प्रभावित कर रही है। यदि आप आपके प्रेम संबंधों में समस्या पैदा हो रही है तो समय पर वापस लौट जाने से आपको आगे बढ़ने में मदद मिल सकती है। यदि आपको इस वक्त अपनी एयर अपने पार्टनर के बीच खराब केमिस्ट्री दिख रही है तो इससे खुद को दूर कर लेना ही अछा है।

मीन-आपके पार्टनरशिप में तनाव बढ़ सकता है। अपने ऊपर से तनाव के बोझ को उतारने का समय आ चुका है। आप अपने आसपास के सभी लोगों की भावनाओं का ख्याल रखने के लिए जिम्मेदार नहीं है।

घर में रखें पारद शिवलिंग, पूजा के फायदों से बदल जाएगी किस्मत

नए साल को सुखमय और समृद्धि दायक बनाने के लिए हर रोज पारद शिवलिंग की पूजा करनी चाहिए। वेदों और पुराणों में पारद को बहुत खास और चमत्कारिक माना गया है। पारद चांदी और पारे के मिश्रण से बना होता है। पारद शिवलिंग की पूजा करने से ना केवल आपको भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त होगा बल्कि लक्ष्मी माता की भी आप पर कृपा बनी रहेगी। साथ ही इस शिवलिंग की पूजा करने से विभिन्न प्रकार के ग्रह-दोष से भा शांति मिलती है। ब्रह्म पुराण में बताया गया है कि जो व्यक्ति हर रोज पारद शिवलिंग की पूजा करता है, उसको मोक्ष की प्राप्ति होती है। आइए जानते हैं पारद शिवलिंग की पूजा से किस तरह आपको फायदा मिलेगा

नकारात्मक शक्तियों का अंत करता है पारद शिवलिंग ग्रंथों में बताया गया है कि पारद एक स्वयं सिद्ध धातु है। इसका वर्णन चरक संहिता समेत कई पुराणों में मिलता है। पारद शिवलिंग की पूजा करने से यह सभी प्रकार के तंत्र-मंत्र खत्म कर देता है और आसपास मौजूद बुरी शक्तियों को खत्म कर देती है। मान्यता है कि पारद शिवलिंग की पूजा करने वाले की रक्षा स्वयं महाकाल और महाकाली करते हैं।

जीवन में खुशियां लाता है पारद शिवलिंग जीवन में खुशियां प्राप्त करने के लिए पारद शिवलिंग की पूजा काफी लाभकारी मानी जाती है। इससे परिवार में सुख-शांति बनी रहती है और धन-धान्य

की कमी खत्म नहीं होती और आपकी समस्याएं भी धीरे-धीरे खत्म होने लगती हैं। आर्युवेद के अनुसार, पारद शिवलिंग की पूजा करने से हाई ब्लड प्रेशर और अस्थमा जैसी बीमारियों से लड़ने में मददगार है। पारा कोई रोगों में दवा के रूप में काम करता है।

पारद शिवलिंग की पूजा से मिलती है लक्ष्मी मां की कृपा पारद शिवलिंग के स्पर्श करने मात्र से सकारात्मक ऊर्जा का शरीर में प्रवेश होता है और पुण्यफल की प्राप्ति होती है। शिवपुराण में बताया गया है कि अन्य शिवलिंगों के अपेक्षा पारद शिवलिंग की पूजा करने से हजार गुना फल मिलता है। बताया जाता है कि पारद की उत्पत्ति भगवान शिव के अंश से हुई थी और घर में इसको रखने पर भगवान शिव, माता लक्ष्मी और कुबेर देवता का स्थायी वास होता है।

कामायाबी के लिए करें पारद शिवलिंग की पूजा नया साल लाभदायक बनाने के लिए हर रोज पारद शिवलिंग के सीधे हाथ की तरफ दीपक जलाएं और हाथ में जल और फूल लेकर तीन बार महामृत्युंजय मंत्र का जप करें और जल और फूल शिवलिंग पर अर्पित कर दें। ऐसा करने से आरोग्य की प्राप्ति होती है और आपके हर क्षेत्र में कामयाबी मिलती है। इस शिवलिंग की महत्वपूर्ण बात यह है कि पारद शिवलिंग की पूजा करने के लिए किसी भी प्रकार की प्राण प्रतिष्ठा करवाने की आवश्यकता नहीं है, यह स्वयं सिद्ध धातु होती है।

सभी समस्याओं का अंत करता है पारद शिवलिंग अगर परिवार के किसी सदस्य की तबीयत खराब है तो उनको दवाओं के साथ पारद शिवलिंग की पूजा करवाएं। ऐसा करने से सभी प्रकार के रोगों से मुक्ति मिलती है और सकारात्मक ऊर्जा आपके आसपास बनी रहती है। पारद शिवलिंग की पूजा करने से धन, परिवार, स्वास्थ्य और आपके जीवन से जुड़ीं छोटी और बड़ी संबंधित समस्याओं का अंत होता है। पुराणों में बताया गया है कि इस शिवलिंग में संपूर्ण ब्रह्मांड का ज्ञान होता है।

आर्थिक स्थिति मजबूत करता है पारद शिवलिंग नए साल को शुभफल दायक बनाने के लिए पारद शिवलिंग पर 108 बेलपत्र चढ़ाएं और फिर उनमें से एक बेलपत्र को तिजोरी या फिर पूजा के स्थान पर रखें और हर रोज उसकी पूजा करने से ऐसा करने से आपको धन लाभ के योग बनते हैं ।

संपन्नता और आर्थिक समद्धि के लिए चाइनीज लोग करते हैं ये उपाय

कोरोना वायरस की वजह से आर्थिक स्थिति बिल्कुल चरमरा गई है। लोगों की नौकरी चली गई और बचत भी धीरे-धीरे खत्म होती जा रही है। लाख मेहनत करने के बाद भी कोई सफलता नहीं मिल रही है या फिर ऐसा कोई सही तरीका नहीं मिल रहा, जिससे जिंदगी में फिर से खुशियां आएं। हम आपके लिए कोई ऐसे उपाय लेकर आए हैं, जिनको एकबार आजमाने से जीवन में आर्थिक उन्नति के रास्ते खुलते हैं। फेंगशुई के इन उपायों से शुरुआत में ही आपको अपने आसपास सकारात्मक माहौल देखने को मिलेगा। आइए जानते हैं फेंगशुई के इन उपायों के बारे में जिनसे पैसे से संबंधित समस्याओं का अंत होगाज

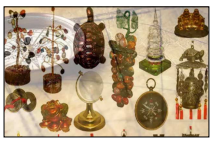

भाग्य देने लगता है साथ फेंगशुई में तीन टांगों वाला मेंढक बहुत भाग्यशाली माना जाता है। आप बाजार से तीन टांगों वाले मेंढक जिसके मुंह में सिक्के लगे हुए हैं, अपने घर ले आएं। घर में इसकी उपस्थिति बहुत महत्वपूर्ण होती है। इसे हमेशा घर के भीतर मेन गेट के आसपास रखना चाहिए। ध्यान रखना चाहिए कि मेंढक का मुह घर के अंदर होना चाहिए, ना की बाहर की ओर। इससे आपका भाग्य साथ देने लगता है और धीरे-धीरे आपके कार्य बनने लगते हैं।

आर्थिक संपन्नता के लिए लाएं यह चीज तीन चीनी सिक्कों को फेंगशुई में आर्थिक संपन्नता का प्रतीक माना जाता है। इन सिक्कों को आपस में लाल डोरी से बांधकर अपने घर, दुकान या फिर व्यवसाय स्थल के मेन गेट पर बांध दें। ऐसा करने से नकारात्मक ऊर्जा प्रवेश नहीं करती और प्रगती के योग बनते हैं। इनसे स्थिति धीरे-धीरे सुधरने लगती है और नए अवसरों की भी प्राप्ति होती है।

करियर में तरक्की के बनते हैं योग नए साल में जीवन को खुशमय बनाने के लिए आप सुनहरे रंग का लॉफिंग बुद्धा घर जरूर लेकर आएं। इसको उत्तर-पूर्व कोण में 30 डिग्री की ऊंचाई पर स्थापित करें और भूलकर भी लाफिंग बुद्धा को अपने बेडरूम में ना रखें, यह शुभ नही माना जाता। घर में लॉफिंग बुद्धा लाने से जीवन में खुशियां आती हैं और परिवार के लोगों के बीच प्रेम भाव बना रहता है।

(कहानी) गुनाह और गलती में समझे भेद

राम एक सदविचारों वाला युवा व्यक्ति हैं वह एक आकर्षक व्यक्तित्व का मालिक हैं । ईमानदारी, साहस, सादगी,स्पष्टवादिता उसके गुण हैं लेकिन इन सबके बीच वह कुछ हद तक स्वहितेषी एवम अहंकारी हैं ।

राम को समुद्री जीवन से बहुत लगाव हैं इसलिए वह अपना करियर एक नाविक के रूप में चुनता हैं । कुशल नाविक होने के कारण जल्द ही उसका प्रमोशन होता हैं और वह व्यापारिक जहाज में अफसर के तौर पर नियुक्त किया जाता हैं । एक बार राम एक जहाज का लीडर चुना जाता हैं जिसमे अन्य अफसरों के साथ 800 यात्री हैं। अचानक ही समुद्र में तूफान आता हैं सब इधर उधर भागने लगते हैं सबको अपनी जान की चिंता होने लगती हैं और सभी अफसर बिना यात्रियों की परवाह किये जहाज छोड़ कर भाग जाते हैं इनमे राम भी शामिल होता हैं वह एक लीडर होने के बावजूद इन विकट परिस्थितियों में अपने यात्रियों को मौत के मुँह में छोड़ कर भाग निकलता हैं ।

राम और सभी अफसर बच कर निकल जाते हैं लेकिन अब राम को आत्म ग्लानि सताने लगती हैं उसे बार बार यात्रियों का ख्याल आता हैं अपनी खुदगर्जी पर गुस्सा आता हैं । पर कुछ देर बाद उसे पता चलता हैं कि एक अन्य जहाज के लीडर और उसकी टीम ने सभी यात्रियों को बचा लिया ।

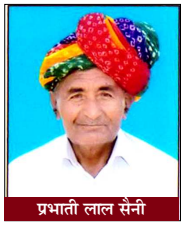

प्रभाती लाल सैनी

राम ने संकट के समय अपने कर्तव्य को त्याग दिया था उसे हर वक्त इस बात का अफ़सोस रहता, वो खुद को कोसता पूछता उसने यह काम कैसे कर दिया । उस वक्त स्वहित की कैसी पट्टी उसकी आँखों पर बंध गई और वह कर्तव्य विमुख हो गया और वह कठिन समय में सही निर्णय नहीं ले पाया । उसने जहाज के कप्तान होने का फर्ज नहीं निभाया । अब वह बहुत शर्मिंदा हैं ।

राम पर मुकदमा चलाया गया। जज जानना चाहते थे कि उसने ऐसा क्यूँ किया क्यूँ अपने कर्तव्य का निर्वाह नहीं किया। कप्तान होकर क्यूँ यात्रियों को मरने छोड़ दिया। राम कुछ छिपाना नहीं चाहता था लेकिन अपनी सफाई देने में भी असमर्थ था। इस तरह वह मुकदमा हार जाता हैं और उसका लाइसेंस भी रद्द कर दिया जाता हैं ।

इसी दौरान राम की मुलाकात विजय से होती हैं । विजय एक रिटायर्ड जहाज केप्टन हैं । विजय राम की बहुत मदद करता हैं क्यूंकि वह उसकी परिस्थिती एवम मनःस्थिती को अछी तरह समझता हैं ।

राम की मानसिक स्थिती ठीक नहीं हैं वह अपने जिस जीवन से प्रेम करता था अब वह जीवन उसके पास नहीं था राम अपने ही सवालों में गुम होता जा रहा था विजय उसे इस स्थिती से बाहर निकालना चाहता था वह उसे मानसिक तनाव से बाहर निकालने की कोशिश करता रहता ।

अचानक ही एक दिन राम को उसके बचपन का दोस्त आदर्श मिलता हैं विजय ने उसे राम के बारे में सब कुछ बताता हैं अब वे दोनों मिलकर राम की मदद करते हैं । आदर्श राम को उसके शहर ले जाने का कहता हैं जिस पर विजय भी अपनी हामी देता हैं ।

आदर्श, राम को उसके शहर ले जाता हैं । उसे पुरानी बाते याद दिलाता हैं और उसे जीवन के प्रति अपनी उदासीनता को खत्म करने के लिए प्रेरित करता हैं । आदर्श उसी शहर में राम की नौकरी लगवाता हैं उस शहर के लोग बहुत भले और मिलनसार हैं । राम धीरे-धीरे अपने आपको को उस शहर के अनुरूप ढाल लेता हैं और वह उस शहर का दार्शनिक मार्गदर्शक बन जाता है ।

राम के पड़ोस में एक मिस्टर जोसफ की फॅमिली रहती हैं उनकी एक बेटी हैं सविना जिससे राम को प्यार हो जाता हैं लेकिन मिस्टर जोसफ राम को पसंद नहीं करते और वे शादी के लिए राज़ी नहीं होते। मिस्टर जोसफ चाहते हैं कि राम को रास्ते से हटा दिया जायेऔर इसी कारण मिस्टर जोसफ जॉन के साथ मिलकर राम को मारने का षड्यंत्र रचते हैं और यह सब बाते सविना सुन लेती हैं और इसके बारे में राम को बताती हैं लेकिन राम इस सबको गंभीरता से नहीं लेता और कहता हैं कि कोई भी पिता अपनी बेटी के प्रेमी के साथ ऐसा व्यवहार नहीं कर सकता। किसी की जान लेना इतना आसान काम नहीं हैं । सविना उसे बहुत समझाती हैं पर वो एक नहीं सुनता । सविना बहुत बैचेन हो जाती हैं और यह सभी बाते राम के दोस्त आदर्श को बताती हैं ।

आदर्श राम की जान बचाने के लिए जॉन को रोकने का प्रयास करता हैं । इस दौरान राम आदर्श और जॉन के बीच हाथापाई हो जाती हैं और इस हाथापाई में राम के हाथों आदर्श की हत्या हो जाती हैं और यह देख कर जॉन वहाँ से भाग जाता हैं । राम के हाथों बहुत बड़ा गुनाह हो जाता हैं वह पागलो जैसा हो जाता हैं और खुद को सम्भाल नहीं पता। तभी उसे उसकी प्रेमिका सविना समझाती हैं इस सबमे उसकी कोई गलती नहीं हैं यह सब अनजाने में हुआ पर वो एक नहीं सुनता । राम को जहाज वाली घटना याद आती हैं उस वक्त वह परिस्थती से भगा था और इस वक्त वो यह नहीं करना चाहता था। इसलिए राम अपनी गलती का प्रायश्चित करने आदर्श के घर जाता हैं वहाँ की स्थिती बहुत गंभीर हैं पालन पोषण करने वाला कोई नहीं हैं और उन्हें अब तक नहीं पता हैं कि उनका बेटा मर गया हैं । राम मेहनत करके परिवार का पालन पोषण करता हैं और आदर्श की बहनों की शादी करता हैं लेकिन उसके मन पर भार हैं और वह एक दिन आदर्श के पिता को सब कुछ सच बता देता हैं आदर्श के पिता गुस्से में आकार राम को मार देते हैं । राम पर सच कुबूल करना भारी पड़ जाता हैं और उस परिवार का एक मात्र सहारा भी छुट जाता हैं।

यज्ञोपवित (जनेऊ) संस्कार के लिए विप्र बंधुओं से जनसंपर्क कर किया आमंत्रित

जयपुर (संस्कार सृजन)। ब्राह्मण समाज राजस्थान जयपुर जिला देहात के आगामी दिनांक 8 फरवरी 2023 बुधवार को कागलिया वाले बालाजी, मोरीजा रोड, चौमूँ पर आयोजित होने वाले यज्ञोपवित (जनेऊ) संस्कार का जिलाध्यक्ष भुवनेश तिवाडी के नेतृत्व में ग्राम गोविंदगढ़, ढोडसर, गुड्डा, गुड़लिया, बागड़ो का बास, किशन मानपुरा, नांगल गोविंद, भूतेड़ा के विप्र बंधुओं से जनसंपर्क कर पीले चावल दिखाकर कार्यक्रम में आने के लिए आमंत्रित किया ।

इस दौरान गोविंदगढ़ ब्लॉक प्रभारी श्रीराम शर्मा ने कहा कि ब्राह्मण बालकों का 8 वर्ष की उम्र में यज्ञोपवीत संस्कार करवाना चाहिए जिससे उनका बौद्धिक शैक्षणिक व शारीरिक विकास के लिए अति आवश्यक है । इस दौरान कार्यक्रम में गोविंदगढ़ ब्लॉक इकाई अध्यक्ष देवानंद शर्मा, गोविंदगढ़ ब्लॉक इकाई अध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ योगेश शर्मा, ग्राम किशनपुरा अध्यक्ष महेश कुमार शर्मा, बजरंग शर्मा, सुरेश शर्मा, राजकुमार शर्मा, अशोक शर्मा, सीताराम शर्मा, गजानन शर्मा, अरविंद शर्मा, बनवारी लाल शर्मा, जगदीश शर्मा उपस्थित रहे।

पंडित रविन्द्र आचार्य ने की पौषबड़ा महोत्सव में शिरकत

जयपुर (संस्कार सृजन)। चौमूं शहर के लक्ष्मीनाथ जी का चौक स्थित श्री श्री 1008 श्री जति जी महाराज (भेरुजी महाराज) के पौषबड़ा महोत्सव में तारा ज्योतिष साधना केंद्र के अध्यक्ष और अंतरराष्ट्रीय भविष्यवक्ता पंडित रविंद्र आचार्य ने शिरकत की । पंडित रविंद्र आचार्य ने भेरुजी महाराज के दर्शन कर आशीर्वाद लिया और क्षेत्र की खुशहाली की कामना की । इसके बाद आचार्य ने सम्मान स्वरूप कार्यकर्ताओं को बाबा श्याम का दुपट्टा पहनाकर आशीर्वाद दिया । पंडित राकेश शर्मा ने भेरुजी महाराज के पूर्ण विधि-विधान से चोला चढ़ाया । शाम को पौषबड़ा प्रसादी वितरित की गयी । इस दौरान पुजारी राम अवतार शर्मा, कैलाश शर्मा, व्यवस्थापक रामस्वरूप कुमावत, कार्यकर्ता प्रेम यादव, रमेश महला, कैलाश सैनी, पवन सैनी, गोपाल झालानी ,कमलेश विजय ,नरेंद्र शर्मा, आशीष अग्रवाल, बंशीधर सैनी ,मिथिलेश सैनी, राहुल दाधीच और समस्त व्यापार मंडल के लोग मौजूद रहे ।

सी3 ग्रुप ऑफ एजुकेशन में हुआ नए साल का स्वागत और प्रतिभा सम्मान समारोह

जयपुर (संस्कार सृजन)। बस स्टैंड स्थित केनरा बैंक के नीचे सी3 कंपटीशन क्लासेज में चौमूं एसीपी राजेंद्र सिंह निर्वाण और संस्था निदेशक विक्रम सिंह जोधा के मुख्य आतिथ्य में नए साल का स्वागत करने के साथ - साथ प्रतिभा सम्मान समारोह भी आयोजित किया गया।

एसीपी का माल्यार्पण करके उन्हें राधा कृष्ण की मूर्ति प्रदान की गई । कार्यक्रम में दसवीं बोर्ड में श्रेष्ठ परिणाम प्राप्त करने पर आयुषी शर्मा और लक्ष्मी प्रजापत को चौमूं एसीपी राजेंद्र सिंह ने साफा बंधवाकर ,मोमेंटो एवं गोल्ड मेडल प्रदान किया गया । कार्यक्रम में नए साल का स्वागत भी किया गया और अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हुए जिनमें म्यूजिकल चेयर, बैलून फोड़ना, मिमिक्री जैसे अनेक मनोरंजक कार्यक्रम हुए ।

उपस्थित विद्यार्थियों ने राजस्थानी, हरियाणवी, कथा, रीमिक्स, डीजे गानों पर जबरदस्त कदम ताल की । कार्यक्रम में सी3 ग्रुप ऑफ एजुकेशन के मैनेजिंग डायरेक्टर महावीर प्रसाद शर्मा, मुख्य शैक्षणिक प्रमुख जटाशंकर यादव, शैक्षणिक प्रमुख संजय चौधरी, कंप्यूटर क्लासेस के हेड जितेंद्र शेरावत, कंप्यूटर सहायक शैतान सिंह, भूगोल के व्याख्याता विनोद कुमावत, शिक्षिका अंजू सैनी, तनु नायक ,जया गंगवाल, व्यवस्थापक अमन सहित सैकड़ों विद्यार्थी उपस्थित रहे ।

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना,दिसम्बर माह के खाद्यान्न वितरण की अवधि 15 जनवरी तक बढ़ी-खाद्य मंत्री

जयपुर (संस्कार सृजन)। खाद्य मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने बताया कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजनान्तर्गत माह दिसम्बर, 2022 के पेटे आवंटित खाद्यान्न के वितरण की अवधि 15 जनवरी, 2023 तक बढ़ा दी गयी है। खाचरियावास ने बताया कि दिसम्बर माह में गेहूं से वंचित रहे लोग अब गेहूं 15 जनवरी तक उचित मूल्य की दुकान से प्राप्त कर सकते हैं। खाचरियावास ने बताया कि जिला कलक्टरों एवं जिला रसद अधिकारियों को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के तहत

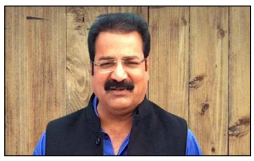

दिसम्बर माह के पेटे आवंटित खाद्यान्न के वितरण की अवधि 15 जनवरी, 2023 तक बढाने के निर्देश दिये हैं। खाचरियावास ने बताया कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के अन्तर्गत दिसम्बर माह के पेटे आवंटित खाद्यान्न का सम्पूर्ण उठाव 31 दिसम्बर, 2022 तक भारतीय खाद्य निगम के डिपो के सुचारू रूप से काम नहीं करने पर एवं गोदाम से डीलर तक पहुंचने में 24 घण्टे पश्चात् पोस मशीन में अपडेट होने के कारण उठाव नहीं हो पाया। खाचरियावास ने बताया कि ऐसी परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के अन्तर्गत माह दिसम्बर के पेटे अवशेष रहे खाद्यान्न वितरण के लिए अवधि 15 जनवरी, 2023 तक बढ़ाई गयी है।

मुख्यमंत्री ने किया राज्य स्तरीय जनजाति खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ

ग्रामीण ओलंपिक खेलों से राजस्थान में विकसित हुई नई खेल संस्कृतिःमुख्यमंत्री

जयपुर (नि.सं.)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार खेलों व खिलाड़ियों के प्रोत्साहन के लिए लगातार उच्च स्तरीय खेल प्रतिस्पर्धाओं का आयोजन करवा रही है, जिससे राज्य में आजादी के बाद पहली बार खेलों के लिए सकारात्मक माहौल बना है और एक नई खेल संस्कृति विकसित हुई है। गहलोत उदयपुर के गांधी ग्राउण्ड में राज्य स्तरीय जनजाति खेलकूद प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि राजीव गांधी ग्रामीण ओलंपिक खेलों में पहली बार एक साथ 30 लाख खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिसमें 10 लाख महिला खिलाड़ी भी थी। इन खेलों में 2.25 लाख टीमें बनी और इससे ग्रामीण क्षेत्रों में खेलों के प्रति उत्कृष्ट माहौल बना। ग्रामीण ओलंपिक के बाद अब 26 जनवरी से शहरी ओलंपिक खेल प्रारंभ हो रहे हैं। इस प्रकार के आयोजनों से खेल प्रतिभाओं को तलाशने का कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा

कि खेलों को प्रोत्साहित करने के लिए पदक विजेता खिलाड़ियों को आउट ऑफ टर्न नियुक्तियों के साथ ही सरकारी नौकरियों में 2 प्रतिशत आरक्षण के निर्णय राज्य सरकार ने लिए हैं। अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों की पुरस्कार राशि को बढ़ाकर 3 करोड़ रूपए तक कर दिया गया है। सरकार द्वारा खेल स्पर्धाओं व प्रशिक्षण शिविरों के माध्यम से चिन्हित प्रतिभाओं को अच्छी सुविधाएं, कोच व माहौल उपलब्ध कराने का कार्य किया जा रहा है, ताकि वे राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अच्छा प्रदर्शन कर सकें। गहलोत ने कहा कि इस बार का बजट युवाओं और छात्रों को समर्पित होगा। आने वाले बजट में आदिवासी अंचल के विकास के लिए उचित प्रावधान किए जाएंगे। उन्होंने खिलाड़ियों से आह्वान किया कि वे प्रशिक्षण शिविरों और प्रतियोगिताओं के माध्यम से अपने खेल कौशल को निरंतर निखारें ताकि प्रत्येक जिले से उत्कृष्ट खिलाड़ी उभर कर आगे आएं। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर जयपुर और जोधपुर की तर्ज पर उदयपुर में भी स्पोर्ट्स स्कूल खोलने की घोषणा की।

बलाई समाज एकता दिवस के रूप में मनाया पूर्व अध्यक्ष हरसोलिया का जन्मदिन

जयपुर (संस्कार सृजन)। बलाई विकास समिति जयपुर (मुख्यालय-चौमूं) के पूर्व अध्यक्ष भंवरलाल हरसोलिया का

जन्मदिन बलाई समाज एकता दिवस के रूप में सभी युवा वर्ग एवं समाज बंधुओं ने बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। हरसोलिया का जन्मदिवस पर समाज बंधुओं एवं ग्रामीणों ने भी साफा बंधवाकर व माला पहनाकर सम्मानित किया। पूर्व सरपंच रामलाल बुनकर, सेवानिवृत प्रधानाचार्य गोपाल लाल बुनकर, सेवानिवृत प्रधानाचार्य सीताराम बुनकर, पूर्व उपसरपंच रामलाल सोढ़, भाजपा ओबीसी मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष मुकेश चौपड़ा, मालसिंह भाटी, लालचंद सामोता, उपसरपंच प्रतिनिधि पवनसिंह राजावत, रामदेव कुरलिया, प्रेमसिंह नाथावत, कैलाश कुरलिया, बलराम सैन, जितेन्द्र हरसोलिया, बलाई विकास समिति जयपुर (मुख्यालय-चौमूं) के उपमहासचिव सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया, गणेश सैन आदि समाज बंधुओं ने इनके जीवन, सरकारी सेवाओं में किए गए उत्कृष्ट कार्यों व समाज में किए गए सामाजिक कार्यों पर प्रकाश डाला। सेवानिवृत प्रधानाचार्य सीताराम बुनकर ने भंवरलाल हरसोलिया के समाज में किए गए कार्य एवं सदैव सामाजिक क्षेत्र में समाज हित में तत्पर रहने, सभी के सुख-दुःख में अहम भूमिका निभाने में अग्रणी रहने पर उनके जन्मदिन दिवस को सदैव बलाई समाज एकता दिवस के रूप में मनाए जाने का आह्वान किया, जिसका सभी समाज बंधुओं ने समर्थन दिया। साथ ही बुनकर ने बताया कि हरसोलिया लगातार दो बार बलाई विकास समिति जयपुर (मुख्यालय-चौमूं) के अध्यक्ष रहते हुए अपने कार्यकाल में सभी समाज बंधुओं एवं भामाशाहों के सहयोग से चौमूं मोरीजा रोड कांगलिया हनुमान मंदिर के सामने समाज के लिए जमीन खरीदकर व बलाई सभा-भवन पूर्ण रूप से तैयार करके समाज को समर्पित किया है। जिससे समाज के लिए बैठने के लिए व प्रतिभा सम्मान समारोह करने के लिए जगह मिली है। हरसोलिया अन्य संगठनों में कई पदों पर रह कर भी समाज हित के लिए कार्य किया है। इस दौरान भंवरलाल हरसोलिया की माताजी फूली देवी, धर्मपत्नी प्रेमलता देवी, हेमराज, कौशल्या देवी, हरीश कुमार, ग्राम विकास अधिकारी सुमन वर्मा, विरेन्द्र सिंह, सुनीता देवी, निर्मला देवी, महेन्द्र सिंह, नरेन्द्र, पार्वती देवी, निशा देवी, पूजा देवी, संगीता बुनकर, शुभम, हिमांशु, विशाल, प्रेरणा, अंशिका आदि मौजूद रहे।

राजस्थान भाजपा में फिलहाल नहीं होगा बदलावःतरुण चुघ

तरुण चुघ बोले- सतीश पूनिया के नेतृत्व में पार्टी ने किया अच्छा काम

जयपुर(नि.सं.)। राजस्थान बीजेपी में किसी तरह का बदलाव नहीं किया जाएगा। जो कार्यकर्ता जैसे काम कर रहा है। वह आगे भी वैसे ही काम करता रहेगा। यह दावा किया है बीजेपी के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुघ ने, जो शुक्रवार को जयपुर में जनआक्रोश सभा को संबोधित करने के लिए पहुंचे थे। इस दौरान बीजेपी कार्यालय में मीडिया से मुखातिब होते हुए चुघ ने सतीश पूनिया के कार्यकाल को शानदार बताया। वहीं राजस्थान सरकार को माफिया सरकार करार दिया। बीजेपी के राष्ट्रीय महामंत्री

तरुण चुघ ने कहा कि हमारी पार्टी केडर बेस है। जहां आंतरिक लोकतंत्र के आधार पर फैसले लिए जाते हैं। हमारे यहां किसी भी पदाधिकारी का चुनाव के आधार पर चयन होता है। फिलहाल कहीं भी पार्टी ने किसी तरह का चुनाव घोषित नहीं किया है। इसलिए जो पदाधिकारी जहां काम कर रहा है। वह वैसे ही काम करता रहेगा। उन्होंने कहा कि राजस्थान में सतीश पूनिया ने में शानदार काम किया है। आगे भी उनके नेतृत्व में सभी कार्यकर्ता एकजुट होकर आगे भी काम करते रहेंगे।

राजस्थान में माफिया चला रहे सरकार: तरुण चुघ ने कहा कि राजस्थान में कांग्रेस माफिया रोकने के नाम पर सत्ता में आई थी। लेकिन अशोक गहलोत की सरकार को असलियत में माफिया ही चला रहे हैं।

RNI N0. - RAJHIN/2021/80841
www.sanskarnews.page
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, सम्पादक राम गोपाल सैनी के लिए उदय प्रिन्टर्स 43 ए, माली कॉलोनी, चांदपोल, जयपुर से मुद्रित तथा वार्ड नं.1, सामोद रोड़ नीमड़ी, ग्राम-मोरीजा, तहसील-चौमूँ, जिला-जयपुर से प्रकाशित। EMAIL-sanskarsrijan21@gmail.com